राजनीतिक सहभागिता
political participation

* व्यक्ति राजनीतिक व्यवहारों की अपने साथियों मित्रों, सहकर्मियों तथा उस संगठन के सदस्यों से सीखता है जिसका वह सदस्य है।
* कोहन ने कहा है कि - "सामान्य अर्थों में यह सत्य है कि व्यक्ति के जितने अधिक मित्र होंगे और वह जितने अधिक संगठनों का सदस्य होगा, उससे उतना अधिक चर्चा के लिए कहा जा सकता है चाहे वह राजनीति के विषय में जानता न हो।
* राजनीतिक सहभागिता के तीन प्रकार हैं।

(a) अन्तः समूह एवम् राजनीतिक सम्बद्धता - व्यक्ति की राजनीतिक सहभागिता पर उसके अन्तः समूह का प्रभाव पड़ता है। परिवार मित्र मण्डली, पड़ोस आदि ऐसे ही समूह हैं जो व्यक्ति को राजनीतिक व्यवहारों के लिए प्रेरित करते हैं।

(b) वृहद् सम्बन्ध एवम् राजनीतिक सम्बद्धता - व्यक्ति अपने वृहद् सम्बन्धों या समूह के विस्तार के आधार पर राजनीतिक व्यवहारों और क्रियाओं के लिए प्रेरित हो सकता है।

(c) सान्दर्भ समूह एवम् राजनीतिक सम्बद्धता - वह समूह जिसका व्यक्ति या तो सदस्य होता है अथवा नहीं होता किन्तु वह उस समूह से मानसिक रूप से तादात्मय स्थापित करता है, ऐसा समूह उस व्यक्ति का सकारात्मक सन्दर्भ समूह होता है।

* वे समूह जिनमें व्यक्ति परस्पर विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं उन्हें हम औपचारिक मित्र समूह के अन्तर्गत रखते हैं।

- समूह के माध्यम से व्यक्ति सही और गलत के निर्णय करने की क्षमता को प्राप्त करता है। समूह के माध्यम से व्यक्ति नागरिक कर्तव्यों के उत्तरदायित्व को समझता है। समूह के द्वारा ही उसे अपने सामाजिक पर्यावरण पर विश्वास होता है।
- श्रेणीगत समूह वे समूह हैं जिनके सदस्यों के मध्य कुछ बातों में समानता होती है। तथा इनके सदस्यों के मध्य परस्पर वार्तालाप नहीं होता।
- वर्ग प्रस्थिति का प्रभाव व्यक्ति की राजनीतिक सहभागिता पर सदैव पड़ता है।
- कार्ल मार्क्स ने भी राजनीतिक सामाजिक परिवर्तन के लिए वर्गों के मध्य होने वाले संघर्षों की ऐतिहासिक विवेचना करते हुए बताया है कि " दुनिया का आज तक का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास है।

Pol. Sc. (Hons)
Part 3
Paper 7

Rama Kant Pandey
S.R.A.P. College
Bara Chakiya
B.R.A.B.U (Muz.)